CHAPTER 40

MUSIC

Doctoral Theses

394. GAYATHRI (P)
Fluctuations in the Status and Importance of Post-Pallavi Items in Karnatak Music Concerts over the Centuries
Supervisor : Dr. Radha Venkatachalam
Th 19901

Contents

1. A survey of the origin and evolution of Karnatak music concerts. 2. Music and the listeners in various periods of history. 3. The proliferation of listeners of music and its effect on the modes of presentation. 4. Estimation of the level of classicism in post and pre-pallavi items. 5. time honoured post-pallavi compositions. 6. Details of post-pallavi items that came into vogue in a subsequent period. 7. Post-pallavi songs that have attained immortal fame and their relevent details. Conclusion and bibliography.

395. DIMPY
Experimentation in Instrumental Music in India.
Supervisor : Dr. Prateek Chaudhuri
Th 19896

Contents

1. Introduction. 2. Journey of Indian instrumental music. 3. A brief study of Indian musical instruments. 4. Experimentation in instrumental music 5. Impact of experimentation in other aspects of instrumental music. 6. Views of various artists 7. Conclusion and bibliography.

396. चक्रवर्ती (अन्तरा)

इलेक्ट्रॉनिक वाद्यों के प्रयोग से भारतीय संगीत के परिवर्तनात्मक स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. अंजलि मित्तल

Th 19888

विषय सूची

1. भारतीय संगीत का इतिहास 2. विभिन्न कालों में वाद्यों की उत्पत्ति, विवरण, विकासक्रम तथा संगीत में वाद्यों का महत्व 3. वाद्यों का वर्गीकरण 4. भारतीय संगीत में इलेक्ट्रॉनिक वाद्यों का प्रादुर्भाव व इतिहास 5. इलेक्ट्रॉनिक वाद्यों के आगमन से भारतीय संगीत के स्वरूप में आ रहे परिवर्तनों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 6. विभिन्न कलाकारों व विद्वानों से साक्षात्कार एवं प्रश्नावली 7. उपसंहार । चित्रावली एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

397. चन्दन कुमार लाल

पूर्वांचल क्षेत्र के लोक संगीत में शास्त्रीय संगीत के तत्वों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. नजमा परवीन अहमद

Th 19876

विषय सूची

1. संगीत, शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2. लोक संगीत एवं पूर्वांचल क्षेत्र 3. पूर्वांचल क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषाएं एवं पूर्वांचल लोकगीत के प्रकार 4. पूर्वांचल लोक संगीत में शास्त्रीय संगीत के तत्वों का विवेचन 5. पूर्वांचल लोकगीतों की स्वरलिपि एवं वहां के कुछ लोकगीत गायक कलाकारों का साक्षातकार 6. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

398. CHATTERJEE (Mandakini)

Contribution of Saints of Bengal to Devotional Music from 17th to 19th Century

Supervisor : Prof. Manjusree Tyagi

Th 19899

Contents

1. Development of padavali kirtana in post chaitanya period. 2. Devotional music of Bengal in Eighteenth century. 3. Kamalakanta and his devotional musi. 4. Devotional music in the Nineteenth century. 5. Rhythm pattern used in devotional music. 6. Bibliography and periodicals.

399. चौधरी (विजेता)

अत्याधुनिक काल में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रचलित गेय विधाओं में समन्वित परिवर्तन : एक समीक्षात्मक विवेचन।

निर्देशिका : प्रो. अंजलि मित्तल

Th 19879

विषय सूची

1. शास्त्रीय संगीत के प्रमुख आधार 2. शास्त्रीय संगीत की अधुनाकालीन गेय विधाओं में राग, ताल और पद के निर्वाह का परम्परागत स्वरूप 3. अधुनाकालीन गेय विधाओं में समन्वित परिवर्तनों का प्रारूप 4. अत्याधुनिक संदर्भ में समालोचनात्मक अनुशीलन 5. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची।

400. चौहान (बबीता)

भारतीय प्रमुख मंदिरों की मूर्तिकला में भाव-रति अथवा भक्ति।

निर्देशक : प्रो. ब्रज मोहन शर्मा

Th 19884

विषय सूची

1. भारतीय मन्दिरों की मूर्तिकला की विशेषता एवं विषय वस्तु की विविधता 2. सिन्धु घाटी सभ्यता से दसवीं शताब्दी तक सामाजिक बदलाव एवं रीति नियमों का प्रभाव 3. समाज में कामकला 4. श्रृंगार रस एवं साहित्य में स्थान 5. श्रृंगाार रसात्मक मूर्तिकला और तंत्र 6. बदलती परिस्थितियां और कलाकार 7. खजुराहों की मूर्तिकला और भाव 8. कोर्णाक की मूर्तिकला और भाव 9. मन्दिरों में मिथुन मूर्ति दर्शन कारण और निवारण 10. सारांश।

401. जसप्रीत कौर

पंजाब की लोकगाथा 'हीर' का संगीतात्मक विवेचन।

निर्देशिका : प्रो. मधुबाला सक्सेना

Th 19880

विषय सूची

1. लोकगाथा से तात्पर्य एवं उसका स्वरूप विश्लेषण 2. पंजाब की लोकगाथा गीतों की विशेषताएं 3. हीर लोकगाथा की रचनात्मक परम्परा 4. हीर गाथा गीत का संगीतात्मक पक्ष 5. पंजाब के लोकगायक-गायिकाओं का जीवन वृत्तान्त 6. उपसंहार संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट।

402. जोशी (निधि)

रागदारी संगीत में विभिन्न घरानों की विशेषताओं के आधार पर बंदिशों का सौन्दर्यात्मक विश्लेषण।

निर्देशिका : प्रो. अंजलि मित्तल

Th 19882

विषय सूची

1. रागदारी संगीत की उत्पत्ति और विकास 2. रागदारी संगीत का सौन्दर्यात्मक पक्ष 3. ख्याल गायकी के विभिन्न घरानों का गायन 4. विभिन्न घरानों के गायन वैशिष्ट्य के आधार पर बंदिशों का सौन्दर्यात्मक अध्ययन 5. साक्षात्कार 6. चित्रावली । उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

403. दास (कान्ता कावेरी)

स्वर्गीय ज्योति प्रसाद अगरवाला जी का ज्योति संगीत : एक समीक्षात्मक अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी

Th 19889

विषय सूची

1. असमिया संस्कृति का संक्षिप्त जीवन दर्शन एवं उसमें प्रचलित विभिन्न गीत प्रकार 2. स्वर्गीय ज्योति प्रसाद अगरवाला जी का विस्तृत जीवन परिचय एवं

सांगीतिक योगदान 3. सवर्गीय ज्योति प्रसाद अगरवाला जी द्वारा प्रचलित ज्योति संगीत के विभिन्न गायन शैलियाँ 4. विभिन्न रागों पर आधारित ज्योति संगीत का सांगीतिक विश्लेषण 5. उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट।

404. NARASIMHAN (Nirmita)
Analysis of the Appropriateness of Grouping Tyagaraja, Muthuswamy Dikshitar and Syama Sastri as the Trinity of Karnatic Music
Supervisor : Prof. Radha Venkatachalam
Th 19898

Contents

1. The significance of numbers. 2. Groupings in History. 3. Historical and sociological factors leading to the earmarking of the trinity. 4. General comparison. 5.The trinity and decorative angas. 6. The trinity and musical forms. 7. Individualistic approaches. 8. A study of other noteworthy Karnatic composers. 9. Present day situation 10. Conclusion and bibliography.

405. पवन कुमार
रागदारी संगीत में प्रयुक्त होने वाले पंजाब के परम्परागत वाद्य व उनके प्रमुख कलाकार : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. सुनीरा कासलीवाल व्यास
Th 19885

विषय सूची

1. रागदारी संगीत प्रस्तुत करने के दो मंच 2. पंजाब में वाद्यों की परंपरा व वाद्यों का महत्व 3. रबाब, ताऊस, सरिंदा व दिलरूबा का विस्तृत वर्णन - बनावट एवं शैली 4. पखावज, तबला एवं जोड़ी पखावज-बनावट व शैली एवं परिचय भाई बलदीप सिंह व सुखविंदर सिंह पिंकी नामधारी 5. अल्प प्रचलित वाद्यों का अध्ययन एवं शैली, संक्षिप्त विवरण 6. रागदारी संगीत में अवनद्ध वाद्यों और स्वर वाद्यों की वादन सामग्री, सिक्ख कीर्तन, शास्त्रीय संगीत में हारमोनियम का उपयोग व गुरमत संगीत में नवीन प्रयोग 7. पंजाब में वाद्य वादन के क्षेत्र में प्रमुख कलाकारों का साक्षात्कार, परिचय एवं उनका योगदान 8. रागदारी संगीत के प्रमुख कीर्तनकार और कीर्तन सेवी, परिचय व उनका योगदान 9. उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची, परिशिष्ट।

406. PUDARUTH (Santhosh Kumar)
Cultural policies for the Socio-Economic Development of Mauritius with Special Reference to the Indian Experience in the Areas of Music and Dance.
Supervisor : Prof. Anjali Mittal
Th 19894

Contents

1. Introduction and overview, and literature review 2. Indian music and dance (Sangita) 3. Background of the research 4. Research methodology 5. Indian music and dance : Their importance in and impact on culture, education, society, and economy in Mauritius 6. Cultural, Educational, Social, and Economic impact of Indian music and dance and human development in Mauritius 7. Cultural values of Indian music and dance for enhancing human, social and economic development 8. Economic value of Indian music and dance 9. Indian music and dance industries (IMDI) in Mauritius 10. Cultural policies (With Special Reference to Indian music and Dance): Model and conceptual framework 11. Conclusion and recommendations, Appendices and bibliography.

407. फोंदनी (विकास)
पंडित रामाश्रय झा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
निर्देशक : डॉ. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी
Th 20220

विषय सूची

1. पं. रामाश्रय झा का संक्षिप्त जीवन परिचय, शिक्षण एवं व्यक्तित्व 2. पं. रामाश्रय झा जी के कृतित्व के विभिनन रूप 3. पं. रामाश्रय झा रामरंग की रचनाओं का काव्यात्मक एवं सांगीतिक विश्लेषण 4. पं. रामाश्रय झा की शिष्य परंपरा 5. उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट।

408. बरूबा (सुदर्शना)
असम में प्रचलित प्राचीन ओजापालि संगीत और वैष्णवी सत्रों में इसका प्रयोगः एक विश्लेष्णात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. मंजुश्री त्यागी
Th 19890

विषय सूची

1. असमीया संस्कृति में प्राचीन ओजापालि परमपराएं- एक विवरण 2. ओजापालि संगीत के कलाकार और रचनाकार 3. व्यास और सत्रीया ओजापालि के कुछ रागबद्ध पारम्परिक गीत 4. आधुनिक काल में ओजापालि संगीत का मंच प्रदर्शन, ताल और वाद्य के संदर्भ में इसका विवरण 5. उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट।

409. भगत (उमेश नाथ प्रसाद)
समान संज्ञावाचक भिन्नार्थक शब्द : भारतीय शास्त्रीय संगीत के संदर्भ में एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. कृष्णा बिष्ट
Th 19877

विषय सूची

1. जाति खण्ड 2. धातु खण्ड 3. अंग खण्ड 4. अलंकार खण्ड 5. प्रकीर्ण खण्ड 6. उपसंहार। परिशिष्ट एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

410. MAHALAKSHMI (C.)
Justification and Propriety in Naming Sri Papanasam Sivan as the Tamil Tyagarja.
Supervisor : Prof. Radha Venkatachalam
Th 19902

Contents

1. Introduction 2. Tyagaraja - The undisputed patriarch among composers 3. Tamil language and TH growth Tamil ISAI movement 4. Papanasam sivan's humble beginning 5. The influence of classical music over cinema songs - The main stream of life in Tamil Nadu 6. Striking influence of Tyagaraja upon sivan in both form and content 7. Papanasam sivan's contribution concert catchiness 8. Post papanasam sivan's age 9. Conclusion and bibliography.

411. मिश्रा (विनय कुमार)

भारतीय संगीत में संगत वाद्य के रूप में हारमोनियम का योगदान : एक अध्ययन।

निर्देशिकाएं : प्रो. नजमा परवीन अहमद तथा प्रो. अनुपम महाजन

Th 19892

विषय सूची

1. भारतीय संगीत वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास 2. हारमोनियम वाद्य तथा इसका विकास 3. भारतीय संगीत में हारमोनियम का संगत वाद्य के रूप में प्रयोग 4. हारमोनियम के प्रमुख वादक कलाकार एवं उनकी शैलीगत विशेषताएं 5. चित्रपट संगीत में हारमोनियम का प्रयोग 6. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में एकल वाद्य के रूप में हारमोनियम में व्याप्त संभावनाएं 7. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

412. MUKERJI (Basavi)

Analytical Study of Improvisation in Hindustani Classical Music

Supervisor : Prof. Anupam Mahajan

Th 20222

Contents

1. Improvisation. 2. Social factors that determine aesthetics of music. 3. Comparative analysis of dhrupad, khayaal and thumri styles. 4. Improvisation through alankaras. 5. Improvisation through taans. 6. Conclusion, discography and bibliography.

413. मोर्या (सपना)

मध्यकालीन ग्रन्थों में वर्णित स्वर वाद्यों का आधुनिक स्वरूप एवं प्रयोजनीयता।

निर्देशक : डॉ. राजीव वर्मा

Th 19893

विषय सूची

1. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्य संबंधी विवेचना 2. मध्यकालीन ग्रन्थों में तत् वाद्यों की विकास परम्परा 3. मध्यकालीन सुषिर वाद्यों का आधुनिक परिवर्तित रूप 4. मध्यकालीन स्वर वाद्यों का आधुनिक विश्लेषण 5. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

414. VASUDEVAN (S.)
Indepth Study of The Positive and Negative Aspects of Incorporation of Various Musical Forms Into the Field of Bharatanatyam.
Supervisor : Prof. Radha Venkatachalam
Th 19897

Contents

1. Dance tradition. 2. Tradition established by the architects of yesteryears. 3. Democratisation of the art. 4. Attitudes of the comtemporary Gurus and students of Bharatanatyam. 5. The advent of more and more composers in general in Karnatak music and their influence on Bharatanatya. 6. Structural changes in the compositions of varnams and tillanas and their influence upon the art of bharatanatyam. 7. Purposefulness level of items widely used in music concerts. 8. Conclusion and bibliography.

415. WADHWA (Sonal)
Music Therapy : An Analytical Study.
Supervisor : Prof. Uma Garg
Th 20221

Contents

1. Introduction to music and music genres. 2. What is meant by healing with music. 3. A histiography of the subject. 4. Therapeutic uses of music in Indian classical musicological texts. 5. Conclusion, bibliography, glossary and appendices.

416. शर्मा (अश्वनी)
विभिन्न वाद्यों द्वारा संगीत में रस उत्पत्ति : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. अलका नागपाल
Th 19883

विषय सूची

1. संगीत का ऐतिहासिक पक्ष 2. संगीत में वाद्यों का स्थान एवं वर्गीकरण 3. संगीत में रस 4. रस उत्पत्ति का अध्ययन 5. चित्रावली, उपसंहार, शोध-सार एवं संदर्भ सूची ।

417. शर्मा (दृष्टि)

प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में कार्यरत शास्त्रीय संगीत के कलाकारों का आकाशवाणी के माध्यम से संगीत के प्रचार-प्रसार में योगदान : उत्तर भारत के प्रमुख केंद्रों के सन्दर्भ में।

निर्देशिका : प्रो. अलका नागपाल

Th 19881

विषय सूची

1. आकाशवाणी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2. आकाशवाणी एवं भारतीय संगीत 3. उत्तर भारत के प्रमुख केनद्र एवं उनके कार्यकलाप 4. उत्तर भारत में स्थापित दिल्ली, जालंधर तथा शिमला केन्द्र में कार्यरत कलाकारों का शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार में योगदान 5. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

418. SHARMA (Pooja)

Critical Study of Contribution of Indian Artists in Acquating and Popularising Hindustani Classical Instrumental Music Abroad.

Supervisor : Prof. Anupam Mahajan

Th 19895

Contents

1. Introduction 2. Importance of instrumental music 3. role of various institutes established abroad to promote Indain classical music 4. Role of concern governmental and non-governmental agencies to promote Indian classical music worldwide. 5. Conclusion, annexures and bibliography.

419. SHARMA (Milan)

Contribution of the Artist to the Art Scenario in Jammu, Kashmir and Ladakh After 1947

Supervisor : Prof. Jai Zharotio

Th 19900

Contents

1. The artist, after 1947, breaking the shadow of court artists 2. Kashmir its cultural Mileu, a study from 1947 to 1966 3. Roots of modern art in Jammu and kashmir; ladakh the backdrop 4. Avant garde of modern art in Jammu and Kashmir 5. Artists

working to set up the academy of art culture and languages. Importance of the academy 6. The role of the institutes of music and fine arts in J&K 7. Significance of the individuals in art 8. Conclusion, bibliography and index.

420. शर्मा (श्वेता)

सुरबहार वाद्य के पुनरुत्थान में प्रचार-प्रसार माध्यमों की भूमिका।

निर्देशक : डॉ. मदन शंकार मिश्रा

Th 19887

विषय सूची

1. भारतीय शास्त्रीय संगीत व वाद्य 2. भारतीय संगीत वाद्यां में सुरबाहर 3. सुरबहार वाद्य मे लय व ताल 4. सुरबहार वाद्य के प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यम5. सुरबहार वादक व निर्माणकर्ता 7. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

421. संजीव कुमार

आश्रय रागों में रचित पटियाला घराने की बन्दिशों का सौंदर्यात्मक विश्लेषण।

निर्देशिका : प्रो. मधुबाला सक्सेना

Th 19891

विषय सूची

1. आश्रय राग : परिचयात्मक रूपरेखा 2. पटियाला घराने का वैशिष्ट्य 3. सौन्दर्य एवं रस 4. पटियाला घराने की बंदिशों का सौंदर्यात्मक वैशिष्ट्य 5. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

422. सेठी (वन्दना)

उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रचार प्रसार में निजी संगीत संगठनों का योगदान।

निर्देशिका : प्रो. सुनीता धर

Th 19886

विषय सूची

1. संगठन एवं संगीत संगठन : स्वरूप 2. भारतीय संगीत एवं संगठन : सम्बन्ध

3. निजी शास्त्रीय संगीत संगठन : उद्‌गम और विकास 4. उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत : प्रमुख निजी संगठन एवं उनकी कार्यप्रणाली 5. निजी संगीत संगठन : योगदान एवं प्रभाव 6. साक्षात्कार 7. उपसंहार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची ।

423. सैनी (वरूणा)
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रमुख वार्षिक संगीत प्रतियोगिताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. सुनीता धर
Th 19878

विषय सूची

1. भारतीय संगीत का ऐतिहासिक विवेचन 2. संगीत एवं समाज 3. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं प्रतियोगिताएं 4. संगीत प्रतियोगिताओं के विभिन्न आयाम 5. वर्तमान समय की प्रमुख वार्षिक संगीत प्रतियोगिताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन 6. संगीत प्रतियोगिताओं का उद्देश्य एवं प्रभाव 7. उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची एवं प्ररिशिष्ट।

M.Phil Dissertations

424. Akshaya (A.)
Comparative Analysis of the Musical Composition of Ramnad Srinivasa Iyengars Mysore Vasudevachar
Supervisor : T V Manikandan

425. अविनाश कुमार
भारतीय शास्त्रीय संगीत में रामपुर सहसवान घरानें के कुछ ख्याल गायकों का संगीतिक योगदान।
निर्देशिका : प्रो. गीता पैन्तल

426. आर्य (गरिमा)
कथक नृत्य में भावोद्दीपन हेतु गायन एवं वादन का योगदान।
निर्देशक : डॉ. ओजेश प्रताप सिंह

427. आर्या (सुकृता)
गज़ल गायकी के क्षेत्र में महिला कलाकारों का योगदान।
निर्देशक : डॉ. प्रतीक चौधुरी

428. उप्रेती (लयोत्तमा)
भारतीय वाद्यों में पार्श्व तन्त्रियों एवं तरब के तारों का उद्‌भव एवं विकासः एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. सुनीरा कासलीवाल व्यास

429. कुकरेजा (दीपक)
रागों के प्रस्तुतीकरण में बंदिशों की भूमिका।
निर्देशिका : प्रो. मंजूश्री त्यागी

430. कौशिक (ऋषभ)
विदुषी सुमति मुटाटकर द्वारा रचित बन्दिशों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी

431. GHAFFARI (Fakhroddin)
Impact of Western Music on Indian and Persian Instruments and Instrumental Music.
Supervisor : Dr. prateek Chaudhuri

432. गुप्ता (गरिमा)
संगीत एवं प्रर्यावरण का सम्बन्ध।
निर्देशिका : प्रो. मंजुश्री त्यागी

433. GOPALAN (Smt. Shantha)
Concert Paddnathi Then and Now.
Supervisor : Dr. P.B. Kanna Kumar.

434. गोस्वामी (संदीप)
भारतीय संगीत में वाद्यवृन्द की भूमिका।
निर्देशिका : प्रो. अलका नागपाल

435. चन्द्रलता
रागों की सौन्दर्य वृद्धि में भिन्न-भिन्न गेय विद्याओं का महत्त्व : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग

436. जसबीर सिंह
पंजाब की काफ़ी गायन शैली : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. सुनीरा कासलीवाल व्यास

437. JAISWAL (Divya)
Music as a Theraphy for the Learning Disabled Children and Youth.
Supervisor : Dr. Shailendra Kumar Goswami

438. तिवारी (स्मित)
मैहर घराने का सरोद के क्षेत्र में योगदान।
निर्देशिका : प्रो. अलका नागपाल

439. थापर (तनवी)
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रचलित विभिन्न सितार वादन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. अनुपम महाजन

440. दत्ता (अमृता)
ब्रज में होरी तथा सावन के अन्य गीत प्रकारों का सौन्दर्यात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग

441. नेहा सिंह
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में तान : एक अध्ययन।
निर्देशिका : डॉ. सुदिप्ता शर्मा

442. भारत भूषण
जम्मू प्रान्त में प्रचलित भक्ति संगीत की गेय विधाएँ : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. मधुबाला सक्सेना

443. मिश्र (द्वारिका नाथ)
भैरव की ऐतिहासिक विवेचना एवं विभिन्न तालों में बंदिशों का सौन्दर्यात्मक।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग

444. मिश्रा (पारूल)
संगीतकार नौशाद का संगीत जगत को योगदान।
निर्देशिका : प्रो. गीता पैन्तल

445. मिसरा (अचल विशाल)
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में पं. अमरनाथ जी का योगदान।
निर्देशिका : प्रो. अंजली मित्तल

446. रागिनी कुमारी
दिल्ली घराने की कुछ प्रमुख बंदिशों का सौन्दर्यात्मक विश्लेषण।
निर्देशिका : प्रो. अंजलि मित्तल

447. रावत (सुमन)
उत्तराखण्ड में जौनसार बावर लोक संगीत : एक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग

448. रेखा कुमारी
बनारस अंग की ठुमरी गायन शैली का सौन्दर्यपरक समीक्षात्मक अध्ययन।
निर्देशिका : प्रो. अंजलि मित्तल

449. LYNGDOH (Budshaphrang)
Melodic structure of Khasi Folk Songs : A Case Study.
Supervisor : Dr. Madan Shankar Mishra

450. शंकर (नर्मदा)
भारतीय संगीत के अनुसंधान में चित्रकला के अन्तर्गत भित्ति चित्रण का महत्त्व।
निर्देशिका : प्रो. सुनीता धर

451. SHARMA (Aditi)
Role of Dhrupad in Providing for Midable Base for Indian Classical Music Learning.
Supervisor : Prof. Madhu Bala Saxena

452. शर्मा (गौरव)
भारतीय स्वरलिपि पद्धति एवं पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. राजीव वर्मा

453. शर्मा (निष्ठा)
अष्टछाप कवियों के काव्य का संगीत में योगदान।
निर्देशिका : प्रो. गीता पैन्तल

454. शर्मा (भारत)
भारतीय संगीत में गिटार के प्रमुख कलाकार एवं उनकी वादन शैली का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. राजीव वर्मा

455. SRUTHI (C.L.)
Great Contribution of Mysore Kindom in Patronising Karnatak Music.
Supervisor : Dr. P. B. Kanna Kumar

456. साहनी (पुंजिल)
पत्रकारिता, जनसंचार एवं संगीत : एक अवलोकन।
निर्देशिका : डॉ. मधुबाला सक्सेना

457. MEERA SUBRA MANIAN nee IYENGAR (W)
Dhatu-Matu Analysis of Composition on Lord Vishnu by Muthu Swami Dikshitar.
Supervisor : Dr. Vasanthy Krishna Rao

458. सूरज

हरियाणवी रागनी का स्वरूप उद्देश्य और प्रयोग में लाये जाने वाले वाद्य-यन्त्र।

निर्देशिका : प्रो. अनुपम महाजन

459. सैनी (सोनिया)

विलावल थाट के कुछ प्रचलित एवं अप्रचलित राग।

निर्देशक : डॉ. आजेश प्रताप सिंह

460. हरीश कुमार

छत्तीसगढ प्रान्त में प्रचलित भक्ति संगीत की गेय विधाओं का अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. गीता पैन्तल